जीरो टू डिजिटल मार्गदर्शिकाओं का परिचय

(Introduction to the Zero to Digital Guidelines)

TRANSLATION COMMONS

2022-2032 | INTERNATIONAL DECADE OF
Indigenous Languages

विषय सूची

भाषा का डिजिटलीकरण 3

जीरो टू डिजिटल सीरीज़ 4

संक्षिप्त में *ज़ीरो टू डिजिटल* सीरीज़ 5

कृपया हमारे संसाधन पृष्ठ पर जाएँ, जहाँ आपको इस दस्तावेज़ का मूल अंग्रेज़ी संस्करण, इसके अनुवाद और ट्रांसलेशन कॉमन्स की अन्य मार्गदर्शिका हैं। 5

इन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग कौन करे? 6

ट्रांसलेशन कॉमन्स 6

यूनेस्को 6

पूरे विश्व की मूलनिवासी भाषाएँ अभूतपूर्व संकट का सामना कर रही हैं। हर बीतती पीढ़ी के साथ अनेक भाषाएँ लुप्त होती जा रही हैं, जिसके कारण अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान और पहचान खोती जा रही है। जब कोई भाषा मौन हो जाती है, तो दुनिया उस समुदाय की लोककथाओं, पारिस्थितिक ज्ञान, मौखिक इतिहास, कला, संगीत, औषधीय पौधों की जानकारी, टैकनोलजी, आध्यात्मिक विश्वास, मूल्यों और खाद्य परंपराओं का केवल धुंधला-सा संस्मरण (यदि कोई हो) ही संजो पाती है।

मूलनिवासी समुदायों के हाशियाकरण का आधुनिक दुनिया में एक बढ़ता हुआ कारण यह है कि वे अपनी मातृ भाषा का उपयोग डिजिटल सिस्टम पर नहीं कर पाते। इसका गहरा प्रभाव पड़ सकता है, जिससे उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और दृष्टिकोण को संबोधित करने के प्रयास बाधित होते हैं। उदाहरण के लिए, यह उन संगठनों में उनकी भागीदारी में बाधा डालता है जो उनकी ज़िंदगी को प्रभावित करने वाली नीतियाँ और अर्थव्यवस्था निर्धारित करते हैं। यह उनकी उस क्षमता में बाधा डालता है, जिससे वे मानवता के लिए अपना ज्ञान साझा कर सकें या अपनी राय पूरी तरह, सटीक रूप से और आवश्यकता पड़ने पर दृढ़ता से अपनी समुदाय के बाहर के लोगों के सामने रख सकें। इसके अलावा, यह ऑनलाइन उपलब्ध विशाल सूचना संसाधनों और उपकरणों तक पहुँच में भी बाधा डालता है। अपने सदस्यों के बीच सहमति प्राप्त करना प्रभावित हो सकता है, विशेषकर जब समुदाय प्रवासी हो। और अंत में, इस अलगाव के कारण बाहरी लोग उनकी संस्कृति और मूल्यों का गलत प्रतिनिधित्व कर सकते हैं, जिससे जोखिम और बढ़ जाता है।

भाषा का डिजिटलीकरण

अपने मूल भाषा को डिजिटल रूप में लाना, मूलनिवासी समुदाय के लिए इस हाशिए पर जाने की स्थिति को कम करने की एक प्रभावशाली पहल है। यह उन्हें अपनी भाषा की विशिष्टता को संरक्षित रखते हुए विश्व मंच पर अधिक समान रूप से भाग लेने का अवसर देता है। यह मोबाइल और डेस्कटॉप सॉफ़्टवेयर को उनकी भाषा का समर्थन करने में सक्षम बनाता है। डिजिटलीकरण के माध्यम से, मूल भाषा बोलने वाले लोग ऑनलाइन संवाद कर सकते हैं, ज्ञान साझा कर सकते हैं, और लोकप्रिय सॉफ़्टवेयर और उपकरणों का उपयोग कर सकते हैं।

यह भी महत्त्वपूर्ण है कि प्रत्येक समुदाय अपनी भाषा के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया की पहल और प्रबंधन स्वयं करे। इससे समुदायों को अपनी भाषा के डेटा पर स्वामित्व और नियंत्रण बनाए रखने में मदद मिलती है और सांस्कृतिक दुरुपयोग को सीमित किया जा सकता है।

अपनी भाषा को डिजिटाइज करने वाला कोई समुदाय निम्नलिखित सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने की आवश्यकता होगी:

- अपनी भाषा से संबंधित सामग्री को इकट्ठा करना, उस पर एनोटेशन करना और उसे संग्रहित करना;
- अपनी भाषा का डेटा साझा करना, साथ ही अपने डेटा पर संप्रभुता बनाए रखना;
- भाषा और प्रौद्योगिकी मानक संगठनों में समावेश;
- डिजिटल सिस्टम पर अपनी भाषा को लागू करना, जिससे संवाद, प्रकाशन और मूल भाषा वाले ऐप्स सक्षम हो सकें;
- अपनी व्याकरण और लिपि का समर्थन करने वाले उन्नत प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण उपकरण, साथ ही मशीन अनुवाद, एआई आदि विकसित करना।

जीरो टू डिजिटल सीरीज़

जीरो टू डिजिटल सीरीज़ एक चल रहा परियोजना है, जिसे ट्रांसलेशन कॉमन्स ने संयुक्त राष्ट्र के स्वदेशी भाषाओं का अंतरराष्ट्रीय दशक (आई डी आई एल) के समर्थन में विकसित किया है। यह जानकारी का

अंतर पूरा करने के लिए एक व्यापक चरण-दर-चरण ढांचा प्रदान करता है, जिससे मूलनिवासी भाषा के डेटा को इकट्ठा और व्यवस्थित किया जा सके और भाषा को ऑनलाइन लाया जा सके।

पहले से प्रकाशित मार्गदर्शिकाओं, जो कई भाषाओं में उपलब्ध हैं, में शामिल हैं:

- *जीरो टू डिजिटल मार्गदर्शिकाओं का परिचय*
- *जीरो टू डिजिटल: अपनी भाषा को ऑनलाइन लाने के लिए एक मार्गदर्शिका*
- *भाषा डेटा संग्रह मार्गदर्शिका*
- *शब्दावली मार्गदर्शिका*
- *भाषा के डिजिटलीकरण के लाभ*
- *फ़ॉन्ट के निर्माण के मार्गदर्शिका*

संक्षिप्त में *ज़ीरो टू डिजिटल* सीरीज़

ट्रांसलेशन कॉमन्स इन मार्गदर्शिकाओं के संक्षिप्त संस्करण तैयार कर रहा है, जिन्हें यूनेस्को पुस्तकालय में साझा किया जाएगा। अब तक, निम्नलिखित संक्षिप्त संस्करण प्रकाशित किए जा चुके हैं:

- *जीरो टू डिजिटल मार्गदर्शिकाओं का परिचय* - यह दस्तावेज़
- *भाषा डेटा संग्रहण दिशानिर्देश संक्षिप्त संस्करण*

कृपया हमारे संसाधन पृष्ठ पर जाएँ, जहाँ आपको इस दस्तावेज़ का मूल अंग्रेज़ी संस्करण, इसके अनुवाद और ट्रांसलेशन कॉमन्स की अन्य मार्गदर्शिका हैं।

इन मार्गदर्शिकाओं का उपयोग कौन करे?

ये मार्गदर्शिकाएँ उन विभिन्न व्यक्तियों और संगठनों के लिए बनाई गई हैं, जो मूलनिवासी भाषाओं के पुनरुद्धार में शामिल हैं:

- मूलनिवासी भाषा के समर्थक एवं समुदाय
- शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक
- सरकारी संगठन एवं गैर-सरकारी संगठन
- तकनीकी डेवलपर्स

ट्रांसलेशन कॉमन्स

ट्रांसलेशन कॉमन्स एक गैर-लाभकारी स्वयंसेवी समुदाय है, जो भाषाओं के डिजिटलीकरण का समर्थन करता है, भाषा पेशेवरों को मार्गदर्शन देता है, और भाषा उद्योगों के लिए पाठ्यक्रम और संसाधन प्रदान करता है। हमारे मुख्य कार्यक्रमों में से एक है **भाषा डिजिटलीकरण पहल**, जो उन आदिवासी और अल्पसंख्यक भाषा समुदायों के लिए मार्गदर्शन प्रदान करती है, जो अपनी भाषा को डिजिटल रूप में लाना चाहते हैं। हम ट्यूटोरियल और कार्यशालाएँ प्रदान करते हैं, उपकरण और एप्लिकेशन बनाते हैं, और भाषा के समर्थकों को उद्योग विशेषज्ञों के साथ एकत्रित करते हैं। समान डिजिटल पहुँच को समर्थन देकर, हम अपने मिशन को आगे बढ़ाते हैं ताकि इच्छुक भाषा समुदाय वैश्विक ऑनलाइन गतिविधियों में भाग ले सकें और अपने मातृभाषा में कंप्यूटर एप्लिकेशन के लाभ प्राप्त कर सकें।

यूनेस्को

बहुभाषावाद के प्रचार और साइबरस्पेस तक सार्वभौमिक पहुँच के 2003 के सिफारिश को अपनाने के बाद से, यूनेस्को भाषाओं के डिजिटलीकरण प्रथाओं का सक्रिय रूप से समर्थन कर रहा है। यह डिजिटल रूप में बहुभाषी सामग्री और प्रणालियों के विकास के साथ मेल खाता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि सभी संस्कृतियाँ, जिसमें स्वदेशी संस्कृतियाँ भी शामिल हैं, अपनी भाषाओं में खुद को व्यक्त कर सकें और साइबरस्पेस तक पहुँच प्राप्त कर सकें।

साथ ही, इस सिफारिश में सदस्यों से आग्रह किया गया है कि वे इंटरनेट पर स्थानीय और स्वदेशी सामग्री तैयार करने के लिए क्षमता निर्माण को प्रोत्साहित और समर्थन करें। इस प्रकार, यूनेस्को अंतरराष्ट्रीय स्वदेशी भाषाओं के दशक (IDIL2022-2032) के ढांचे के भीतर स्वदेशी भाषाई समुदायों के डिजिटल सशक्तिकरण का समर्थन करता है।